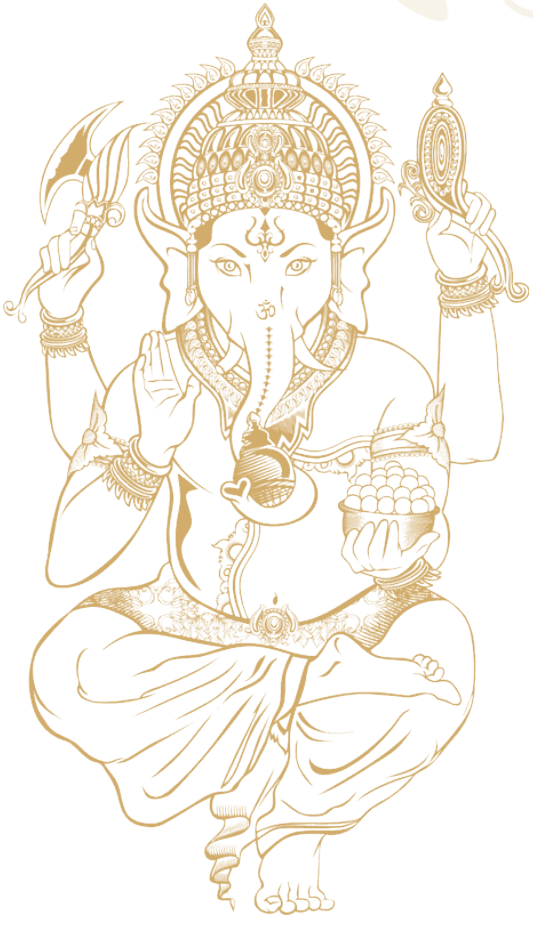

Dhubri

09 Aug 2003

11:30 AM

Kokrajhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121135202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/08/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	16:10:25 घटी
स्थान	**Kokrajhar**
देश	India

अक्षांश	26:24:00 उत्तर
रेखांश	90:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:31:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:01:04 घंटे
वेलान्तर	-00:05:35 घंटे
साम्पातिक काल	09:10:22 घंटे
सूर्योदय	05:01:50 घंटे
सूर्यास्त	18:10:37 घंटे
दिनमान	13:08:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	22:21:28 कर्क
लग्न के अंश	18:13:37 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूपेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:13:37	313:02:24	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	22:21:28	00:57:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	14:18:09	14:05:05	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		कुंभ	15:27:12	00:08:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	19:06:30	01:10:57	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु		अ	सिंह	02:08:44	00:12:59	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	19:44:16	01:14:03	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	14:24:25	00:06:43	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	02:13:37	00:05:58	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	02:13:37	00:05:58	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	07:31:54	00:02:17	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप	व		मक	17:45:24	00:01:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:26:06	00:00:37	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	21:13:18	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:14

लग्न-चलित

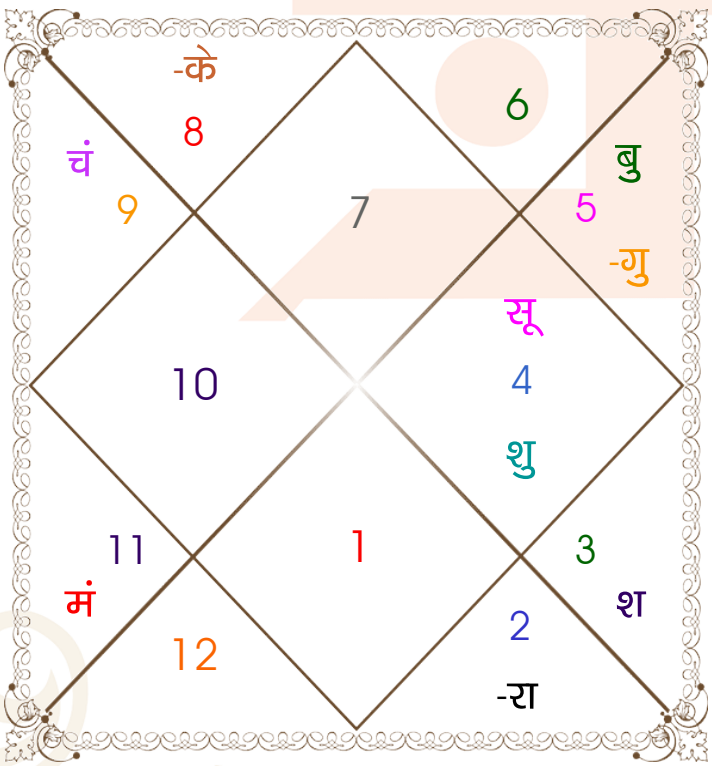

चन्द्र कुंडली

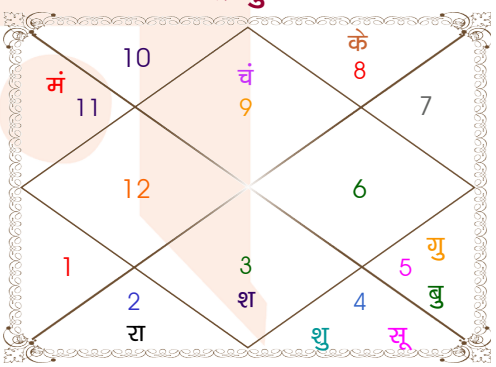

नवमांश कुंडली

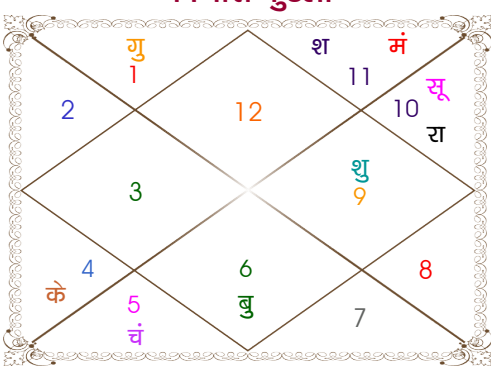

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 6 मास 16 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/08/2003		24/02/2022		25/02/2028		24/02/2038		24/02/2045	
24/02/2022		25/02/2028		24/02/2038		24/02/2045		24/02/2063	
शुक्र	26/06/2005	सूर्य	14/06/2022	चंद्र	25/12/2028	मंगल	23/07/2038	राहु	07/11/2047
सूर्य	26/06/2006	चंद्र	13/12/2022	मंगल	26/07/2029	राहु	11/08/2039	गुरु	02/04/2050
चंद्र	25/02/2008	मंगल	20/04/2023	राहु	25/01/2031	गुरु	17/07/2040	शनि	05/02/2053
मंगल	26/04/2009	राहु	14/03/2024	गुरु	26/05/2032	शनि	25/08/2041	बुध	26/08/2055
राहु	25/04/2012	गुरु	31/12/2024	शनि	25/12/2033	बुध	23/08/2042	केतु	12/09/2056
गुरु	25/12/2014	शनि	13/12/2025	बुध	27/05/2035	केतु	19/01/2043	शुक्र	13/09/2059
शनि	24/02/2018	बुध	19/10/2026	केतु	26/12/2035	शुक्र	20/03/2044	सूर्य	07/08/2060
बुध	25/12/2020	केतु	24/02/2027	शुक्र	25/08/2037	सूर्य	26/07/2044	चंद्र	06/02/2062
केतु	24/02/2022	शुक्र	25/02/2028	सूर्य	24/02/2038	चंद्र	24/02/2045	मंगल	24/02/2063

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/02/2063		24/02/2079		24/02/2098		25/02/2115		25/02/2122	
24/02/2079		24/02/2098		25/02/2115		25/02/2122		00/00/0000	
गुरु	13/04/2065	शनि	27/02/2082	बुध	24/07/2100	केतु	24/07/2115	शुक्र	10/08/2123
शनि	26/10/2067	बुध	06/11/2084	केतु	21/07/2101	शुक्र	23/09/2116		00/00/0000
बुध	31/01/2070	केतु	16/12/2085	शुक्र	21/05/2104	सूर्य	28/01/2117		00/00/0000
केतु	07/01/2071	शुक्र	15/02/2089	सूर्य	27/03/2105	चंद्र	29/08/2117		00/00/0000
शुक्र	07/09/2073	सूर्य	28/01/2090	चंद्र	27/08/2106	मंगल	26/01/2118		00/00/0000
सूर्य	26/06/2074	चंद्र	29/08/2091	मंगल	24/08/2107	राहु	13/02/2119		00/00/0000
चंद्र	26/10/2075	मंगल	07/10/2092	राहु	12/03/2110	गुरु	20/01/2120		00/00/0000
मंगल	01/10/2076	राहु	14/08/2095	गुरु	17/06/2112	शनि	28/02/2121		00/00/0000
राहु	24/02/2079	गुरु	24/02/2098	शनि	25/02/2115	बुध	25/02/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 6 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।